राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–20, अंक–02 अप्रैल–जून 2019

विश्व स्तर पर सक्षम एवं स्वीकार्य इंजीनियर्स तैयार करना होंगे : श्री सी.पी.शर्मा

दिनांक 07 अप्रैल 2019 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल ने अपना 55वाँ स्थापना दिवस मनाया। इस संस्थान का स्थापना दिवस उसके अतीत की उपलब्धियों पर गौरवान्वित होते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिये तैयार रहने का अवसर होता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते श्री सी.पी. शर्मा

अवसर पर संचालक मण्डल के अध्यक्ष व दौलतराम इंडस्ट्रीज के महाप्रबंधक श्री सी.पी. शर्मा ने निटर द्वारा किये गये कार्यो एवं भावी कार्ययोजना पर अपना व्याख्यान देते हुये कहा कि आर्थिक उदारीकरण के दौर में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में बहुत चुनौतियां हैं। भारत ने हर क्षेत्र में चहुमुखी विकास किया है एवं हम आज सेचुरेशन लेवल पर आ गये हैं। अब हमें क्वालिटी इंजीनियर्स तैयार करना होंगे जो वैश्विक रूप से सक्षम व स्वीकार्य हों। उन्होंने अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा कि वहाँ आज अच्छे वैज्ञानिक, इंजीनियर्स, डाक्टर्स में अधिक संख्या भारतीयों की है। हमें प्रतिभा पलायन को रोकना होगा। रिसर्च की क्वालिटी बढ़ाकर अच्छे प्रोडक्ट डिजाईन करना होंगे किसी भी

प्रो. किरण सक्सेना को सम्मानित करते श्री सी.पी. शर्मा

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने कहा कि स्थापना दिवस आत्मावलोकन करने का समय होता है कि हमने क्या किया है हम क्या कर रहे हैं एवं आगे क्या करना है। इस अवसर पर उन्होंने निटर संकाय सदस्यों के लिये रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़ने व स्टाफ की दक्षता बढ़ाने हेतु विभिन्न नये प्रावधानों का विवरण दिया।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. सुनील गुप्ता ने कहा कि आज ज्ञान का भंडार खुल गया हैं। क्लास रूम टीचिंग एक चुनौति है। शिक्षकों को अपने शिक्षण को रूचिवर्धक बनाना होगा। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली ने नये शिक्षकों के लिये प्रशिक्षण आवश्यक किया है, इससे निटर की भूमिका अब और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. एस.जेड. हेदर

संस्थान के सेवानिवृत प्रो. एस.जेड. हेदर, ने अपने गत 30 वर्षों की स्मृतियों को साझा करते हुये कहा कि निटर भोपाल में प्रारंभ से ही सामुहिक रूप से कार्य करने की संस्कृति रही है। यह एक ऐसा संस्थान है जिसका समृद्ध इतिहास रहा है। मैं अपने आपको भाग्यशाली मानता हूँ कि मैंने इस संस्थान में कार्य किया है। इस अवसर पर प्रो. डी.एस. करौलिया, प्रो. ए.के.जैन, संस्थान के सेवानिवृत प्रो. एस.के सोनी, ने भी संबोधित किया। समारोह में संस्थान द्वारा 30 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके कर्मचारी / अधिकारी / संकाय सदस्यों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

वैश्विक चुनौतियों की मांग के आधार पर नवाचार एवं शोध पर ध्यान जरुरी : प्रो. डी.पी. अग्रवाल

प्रो. डी.पी. अग्रवाल का स्वागत करते प्रो. सी. थंगराज

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के 55वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 05 अप्रैल 2019 को व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान माला में संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. डी.पी. अग्रवाल ने रोचक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि निटर संस्थान का स्वर्णिम इतिहास रहा हैं निटर ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किये हैं। लेकिन समय एवं वैश्विक चुनौतियों की मांग को ध्यान में रखते हुये आपको नवाचार एवं शोध पर फोकस करना होगा। देश में आज प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी है, इंजीनियर्स / डिप्लोमा होल्डर्स के लिये रोजगार के अवसरों की कमी है, टेक्नोलॉजी व उद्योगों की मांग बदल रही है। ऐसे में निटर का रोल महत्वपूर्ण हो जाता है। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में निटर ने टीचर ट्रेनिंग में अपना उल्लेखनीय योगदान दिया है। ग्रामीण युवाओं के रोजगार सृजन हेतु कम्यूनिटी पॉलिटेक्निक योजना काफी सफल रही है। हमें टेक्नोलॉजी की मांग के अनुरूप युवाओं को दक्ष बनाना होगा। प्रो. अग्रवाल ने विश्व के कई महत्वपूर्ण विश्वविद्यालयों के उदाहरण देकर उनके अनुरूप पाठ्यक्रम बनाने की बात कही। उन्होंने कहा आज इंजीनियरिंग महाविद्यालयों की संख्या बढ़ रही है, शिक्षक कम हैं। अगर शिक्षक हैं भी तो उनकी शिक्षण में रूचि नही है, बच्चे सीखना नही चाहते, शोध है नही, टेक्नोलॉजी को आयात कर रहे है, कक्षाओं से ज्यादा समय बच्चे उद्योगों में दें। शिक्षकों का प्रशिक्षण सही हो एवं उन्हे नई तकनीक का ज्ञान हो यह आवश्यक है। प्रो. अग्रवाल ने उपस्थित समुदाय के प्रश्नों का वेबाकी से जबाव दिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने कहा कि निटर भोपाल ने तकनीकी शिक्षा की वर्तमान एवं भावी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुये अपनी एक भावी योजना पर कार्य करना प्रारंभ कर दिया है एवं मुझे आशा है कि अपनी इस नई कार्ययोजना से यह संस्थान अपनी राष्ट्रीय सीमाओं से निकल कर अंतर्राष्ट्रीय संस्थान के रूप में अपनी छवि बनायेगा। हम तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भावी शिक्षक तैयार करेंगे। इस अवसर पर प्रो. ए.के. जैन ने प्रो. अग्रवाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रो. डी.एस. करौलिया ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर संस्थान के संकायगण / अधिकारी / कर्मचारी / विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. अग्रवाल

वित्त एवं संचालक मण्डल की बैठक का आयोजन

संचालक मण्डल की बैठक का आयोजन

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, (निटर) भोपाल में 17 मई 2019 को संस्थान की 90वीं वित्त समिति एवं 145वीं संचालक मण्डल की बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में संस्थान के विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

लर्निंग रिर्सोस डेवलेपमेंट पर कार्यशाला

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 13 से 17 मई, 2019 तक लर्निंग रिर्सोस डेवलेपमेंट इन मैकेनिकल, मेनुफेक्चरिंग एण्ड ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। हमारे संस्थान में होने वाला यह पहला अनूठा कार्यक्रम था। इस कार्यशाला में विभिन्न प्रकार के सीखने के संसाधनों के डिजाइन और विकास पर जोर दिया गया और संसाधन विकास की आवश्यकता का आकंलन करके सीखने के परिणाम के साथ इसके संबंध को जोड़ा गया है। यह कार्यशाला आवश्यकता अंतराल विश्लेषण के आधार पर तैयार की गई थी। इस कार्यशाला में 15 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. वंदना सोमकुंवर थी। कार्यशाला में संकाय सदस्य के रूप में डॉ. के.के. जैन, डॉ. आर.बी. शिवगुण्डे, डॉ. एलन संजय रोचा, डॉ. शरद कुमार प्रधान एवं डॉ. ए.के. सराठे ने अपना सहयोग प्रदान किया।

संख्या नही गुणवत्ता पर ध्यान देना जरुरी :- श्री सी.पी.शर्मा

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, (निटर) भोपाल में 30 अप्रैल 2019 को "फ्यूचर ऑफ एजूकेशन एण्ड

श्री सी.पी. शर्मा को स्मृति चिन्ह प्रदान करते प्रो. सी. थंगराज

ट्रेनिंग:सेटिंग डायरेक्शन फार निटर भोपाल" विषय पर राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया। इस सेमीनार में देश के तकनीकी एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले शिक्षाविद/उद्योगजगत के विशेषज्ञ/नीति निर्धारक/ विभिन्न राज्यों के संचालक तकनीकी शिक्षा, ने देश में तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण की वर्तमान स्थिति व भविष्य की दिशा पर चर्चा की। निटर भोपाल के निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने निटर भोपाल के 1965 में स्थापना से लेकर आज तक कियें गये कार्यों का विस्तृत विवरण दिया। प्रो. थंगराज ने बताया कि निटर प्रशिक्षण के साथ–साथ पाठ्यक्रम, मूल्यांकन, टीचिंग लर्निंग विषयों पर रिसर्च भी कर रहा है। निटर के संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री सी.पी.शर्मा ने अपने उदघाटन भाषण में बोलते हुय कहा कि पिछले 25 वर्षो में देश में तकनीकी शिक्षण संस्थाओं की संख्या में वृद्धि हुई है लेकिन गुणवत्ता में कमी आई है। आज उद्योग जगत को आवश्यकतानुसार क्वालिटी इंजीनियर नही मिल रहे है। आज हमें अच्छे शिक्षक, अच्छे संसाधन एवं अच्छे चरित्र वालों की आवश्यकता है। इंजीनियर्स का देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। देश में एनआईटी, आईआईटी की संख्या बढ़ी है लेकिन आज भी एनआईटीटीटीआर की संख्या वही पचास वर्ष पूर्व की सिर्फ चार ही है जिससें देश के तकनीकी शिक्षकों के प्रशिक्षण की आवश्यकता को पूरा करना संभव नही है। आज पाठ्यक्रम में समाज एवं उद्योग जगत की आवश्यकता के अनुसार कंटेंट जोड़ा जाना जरूरी है। संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी.पी.अग्रवाल ने कहा कि एनआईटीटीटीआर, भोपाल को एक नया ब्रांड क्रियेट कर "ग्लोबल ट्रेनिंग सेंटर" बनना होगा। हमें टेक्नोलॉजी यूसर के स्थान पर टेक्नोलॉजी प्रोडयूसर बनना होगा। अमेरिका में शैक्षणिक संस्थाओं में रिसर्च का स्तर ऐसा है कि इंड्रस्ट्री स्वयं इंस्टीट्यूट के पास आती है। अगले 10 वर्षो में उद्योगों को किस तरह की टेक्नोलॉजी व इंजीनियर्स चाहिए आज यदि यह कर पाये तो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे पायेंगे। गोवा के संचालक, तकनीकी शिक्षा प्रो. व्ही.बी. कामत ने कहा कि निटर भोपाल को अपने एक्सटेंशन सेंटर बढ़ाने चाहिए। एसपीए भोपाल के निदेशक प्रो. एन. श्रीधरन ने कहा कि निटर भोपाल को "नालेज सोसाइटी" क्रियेट करना चाहिए। कार्यक्रम को सीआईआई, नई दिल्ली के निदेशक श्री वीरेन्द्र सिंह, प्रो. डी.एस. करौलिया, प्रो. व्ही.एच.राधाकृष्णन, प्रो. किरण सक्सेना, प्रो. सूसन मेथ्यू, प्रो. आशीष देशपाण्डे, प्रो. आर.बी. शिवगुण्डे ने भी संबोधित किया।

प्रो. एन. श्रीधरन को स्मृति चिन्ह प्रदान करते प्रो. सी. थंगराज

एनबीए एक्रीडिटेशन पर कार्यशाला

संस्थान के शिक्षा अनुसंधान एवं प्रबंधन विभाग द्वारा दिनांक 10–14 जून 2019 तक बी.बी.आई.टी., वल्लभ विद्यानगर, आणन्द में "एनबीए एक्रीडिटेशन" पर ट्रिपल शेयरिंग मोड पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें बी.बी.आई.टी., के 33 वरिष्ठ संकाय सदस्यों एवं एम.एस. यूनिवर्सिटी, बड़ोदा के 05 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उदघाटन एम.एस. यूनिवर्सिटी, बड़ोदा पॉलिटेक्निक के प्राचार्य डॉ. वीरेन्द्रसिंह खेर ने किया। उदघाटन समारोह को बी.बी.आई.टी. के प्राचार्य डॉ. के.एम. मकवाना ने संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व में संस्थागत स्तर पर कार्यक्रमों का एक्रीडिटेशन हो चुका हैं एवं अगले वर्ष की तैयारी करके पुन: आवेदन करेंगे। उन्होंने कहा कि एक्रीडिटेशन की सभी बाधाओं को दूर करते हुए, एलुमनी से राशि एकत्र कर संस्था विकास एवं गुणवत्ता बढ़ाने के कार्य करेंगे। इस कार्यशाला में संस्था का विजन कथन, मिशन कथन, पीईओ, पीएसओ, स्वॉट एनालिस, कोर्स आउटकम, रूबरिक एवं एक्शन प्लान तैयार किया गया। प्रतिभागियों के साथ संस्था का भ्रमण कर एनबीए की आवश्यकता के अनुसार कमियों एवं खूबियों को ज्ञात किया गया। इस अवसर पर बी.वी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. इंद्रजीत पटेल ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुये डीन, विभागाध्यक्षों से चर्चा की एवं एक्रीडिटेशन से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दिया। कार्यशाला का समन्वयन प्रो. बी.एल. गुप्ता ने किया एवं प्रो. सुब्रत रॉय ने संकाय के रूप में योगदान किया।

पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण

संस्थान में दिनांक 05 जून 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संस्थान के अधिकारी–कर्मचारियों ने संस्थान परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारी कर्मचारियों ने संस्थान परिसर में वृक्षों के संरक्षण का संकल्प भी लिया।

इंजीनियरिंग रिसर्च पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 24–28 जून 2019 तक "इंजीनियरिंग रिसर्च" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शोध के प्रकार, शोध पत्र की संरचना, शोध पत्र लेखन, शोध विधि, शोध प्रस्ताव की संरचना, रिव्यू लेखन, मेटलेब सॉफ्टवेयर का शोध कार्य में उपयोग आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न असाइनमेन्ट के माध्यम से शोध प्रस्ताव तैयार किये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में गुजरात, महाराष्ट्र से 45 शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. शरद प्रधान थे। संकाय सदस्य रूप में प्रो. आर.के. दीक्षित, प्रो. पी.के. पुरोहित, डॉ. बशीरउल्ला शेक, प्रो. एम.ए. रिज़वी एवं प्रो. आर.के. कपूर ने अपना योगदान दिया।

एक्रीडिटेशन ऑफ इंजीनियरिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा दिनांक 10 से 14 जून 2019 तक "एक्रीडिटेशन ऑफ इंजीनियरिंग" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक संस्थानों के 25 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. डी.एस. करौलिया थे।

इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा दिनांक 10 से 21 जून, 2019 तक इंडक्शन फेस–1 कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में गुजरात से 31 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. शरद कुमार प्रधान एवं कार्यक्रम में संकाय सदस्य के रुप में डॉ. ए.के. सराठे, डॉ. आर.बी. शिवगुण्डे एवं डॉ. रोली प्रधान ने अपना योगदान प्रदान किया।

इंडक्शन फेस-2 आयोजित

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा शासकीय किरोडीमल महाविद्यालय, रायगढ़ में दिनांक 27 मई से 07 जून 2019 तक "इंडक्शन फेस–2" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक संस्थानों के 21 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. डी. एस. करौलिया एवं संकाय सदस्य डॉ. दीपक सिंह थे। कार्यक्रम के द्वितीय सप्ताह में संकाय सदस्य के रुप में डॉ. ए.के. सराठे एवं प्रो. ए. एस. वाल्के ने सहयोग प्रदान किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस संपन्न

संस्थान में दिनांक 21 जून 2019 को पांचवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक, संकाय, अधिकारी, कर्मचारी, प्रशिक्षणार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम में योग गुरू श्री संजय सक्सेना एवं श्रीमती संध्या सक्सेना ने सभी को योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। इन आसनों के द्वारा हमारे शरीर, दिमाग एवं मन पर कैसा प्रभाव पड़ता है इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में प्रो. एम.सी. पालीपाल द्वारा योगगीत "तन मन जीवन चलो संवारे, योगगीत अपनायें" के द्वारा समापन किया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सुब्रत रॉय थे।

सॉफ्ट स्किल्स फॉर प्रोफेशनल एक्सीलेंस पर प्रशिक्षण

संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा दिनांक 17–21 जून 2019 तक "सॉफ्ट स्किल्स फॉर प्रोफेशनल एक्सीलेंस" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षाविद

प्रो. डी.बी. कुलकर्णी ने वालचंद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सांगली में एन.आई.टी.टी.टी.आर. भोपाल के कार्यक्रम तकनीकी छात्रों के लिये हार्ड स्किल्स के साथ साथ सॉफ्ट स्किल्स में दक्षता, व्यावसायिक जीवन के लिये अत्यंत आवश्यक हैं। वर्तमान में तकनीकी शिक्षा का दायरा अत्यंत संकीर्ण हो गया है तथा व्यक्तित्व विकास एवं व्यवहार कुशलता विकास के लिये पृथक कार्यक्रम अनिवार्य है। कार्यक्रम में, पुणे, मिरज, कराड, रत्नागिरी, सांगली, कोल्हापुर, बीड, तक्षगांव के चौबीस तकनीकी शिक्षकों ने प्रशिक्षण लिया।

इस कार्यशाला में विभिन्न गतिविधियों के द्वारा प्रतिभागियों ने टीम–वर्क, लीडरशिप, गोल सेटिंग, संप्रेक्षण कला के अनुभव किए। सी.वी. निर्माण, कवरिंग लेटर, ग्रुप डिसकशन, इंटरव्यू प्रिपरेशन आदि की जानकारी भी दी गई। ग्रुप डिस्कशन में प्रतिभागियों ने भाग लेकर विडियो रिकॉर्डिंग कर अपनी गलतियों को समझा एवं उनको दूर किया। वर्कशॉप के अंत में प्रतिभागियों ने स्वयं का विडिओ रिज्यूमे बनाया। कार्यक्रम के संयोजक एवं संकाय सदस्य प्रो. डॉ. निशीथ दुबे थे।

मूक्स डेवलेपमेंट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा अनुसंधान एवं प्रबंधन विभाग द्वारा दिनांक 08 से 12 अप्रैल 2019 तक "मूक्स डेवलेपमेंट" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को नवीनतम तकनीक के प्रयोग द्वारा डिजिटल मोड में अपने पाठ्यक्रम बनाना और उनको ऑनलाइन अपलोड करना था। इस कार्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों ने नवीनतम तकनीक का उपयोग करके किस तरह अपने विषय के अनुसार माडयूल्स विकसित करना और उनको वेबसाइट में अपलोड करना सीखा। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. के. जेम्स मथाई थे एवं श्री जागेश मिश्रा ने तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में अपना सहयोग प्रदान किया।

इमोशनल इंटेलिजेंस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा अनुसंधान एवं प्रबंधन विभाग द्वारा दिनांक 10 से 14 जून 2019 तक "इमोशनल इंटेलिजेंस" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम विस्तार केन्द्र गोवा में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को इमोशनल इंटेलिजेंस कौशल के द्वारा व्यक्तित्व को बढ़ाना एवं निखारना था। प्रशिक्षणार्थियों को आत्म प्रबंधन को समझना एवं सामाजिक रिश्तों के महत्व को समझना सिखाया गया। कार्यक्रम में 21 इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक संस्थानों के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. किरन सक्सेना थी एवं डॉ. अंजू रौले ने संकाय सदस्य के रूप में अपना सहयोग प्रदान किया।

इंडक्शन फेस-2 आयोजित

संस्थान के शिक्षा अनुसंधान एवं प्रबंधन विभाग द्वारा दिनांक 20 से 31 मई 2019 तक "इंडक्शन फेस–2" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्यचर्या विकास के मॉडल्स, उनका क्रियान्वयन, प्राब्लम बेस्ड लर्निंग, एडवांस टीचिंग मेथड्स, मल्टी मीडिया का उपयोग, प्रयोगशाला में नवाचार पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक संस्थानों के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रथम सप्ताह की समन्वयक डॉ. रोली प्रधान एवं संकाय सदस्य डॉ. अतुल मिश्रा थे। द्वितीय सप्ताह के समन्वयक प्रो. आर.जी. चौकसे एवं डॉ. अंजू रौले ने संकाय सदस्य के रूप में अपना सहयोग प्रदान किया।

लर्निंग रिर्सोस डेवलेपमेंट पर कार्यशाला

दिनांक 27–31 मई 2019 तक एलआर डेवलेपमेंट इन इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (टीएलसी–31) विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सीखने के 10 संसाधनों का मसौदा तैयार किया गया। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सूसन एस. मैथ्यू थी।

इंस्टालेशन एण्ड ट्रेनिंग ऑफ मेटलेब कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 02–03 मई 2019 "डिजाइन टेक सिस्टम्स लिमिटेड आपूर्तिकर्ता फर्म मेटलेब–2019 की स्थापना और प्रशिक्षण" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मेटलेब साफ्टवेयर इंस्टालेशन के बारे में बताया गया एवं मेटलेब सॉफ्टवेयर और ऑल बॉक्स का अवलोकन संबंधी जानकारी दी गई। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सूसन एस. मैथ्यू थी।

शिक्षक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान के टीएलसी प्रोजेक्ट निटर, भोपाल द्वारा दिनांक 03–07 जुलाई 2019 तक राजकीय महाविद्यालय, ढलियारा, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में

"शिक्षक एवं प्रशिक्षण" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर में हिमाचल प्रदेश के 30 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षकों को समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियां, उनके कर्तव्य, प्रशिक्षण एवं शिक्षण प्रक्रिया, व्यावसायिक प्रशिक्षण, संचार एवं प्रस्तुतिकरण कौशल, निर्णय लेना और विभिन्न समस्याओं का समाधान इत्यादि विधियों के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. आर.बी. शिवगुन्डे थे एवं डॉ. अजित दीक्षित ने संकाय सदस्य के रूप में अपना योगदान दिया।

पीएलसी एण्ड स्काडा पर प्रशिक्षण

संस्थान के इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 24–28 जून 2019 तक "पीएलसी एण्ड स्काडा" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गुजरात एवं महाराष्ट्र के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पीएलसी का परिचय, पीएलसी का विकास और आर्किटेक्चर, पीएलसी की प्रोग्रामिंग, सीढ़ी तर्क प्रोग्रामिक, टाइमर और काउंटरर्स और सीक्वेंसर उदाहरण के साथ सरल औद्यौगिक कार्यों के लिए पीएलसी के अनुप्रयोग स्केडा कार्य, विकास, लाभ, वर्गीकरण, स्कॉडा प्रणाली के तत्व, टैग प्रकार, रूझान, सरल औद्यौगिक कार्यो के लिए स्केडा सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोगों का निर्माण विशेष रूप से ह्यूमन मशीन इंटरफेस का परिचय क्षेत्र का प्रदर्शन देने के लिए, पीएलसी और स्काडा के बारे में प्रशिक्षकों को एक प्रक्रिया उद्योग की यात्रा के लिए दावत फुड्स लिमिटेड मंडीदीप और क्षेत्रीय स्काडा नियंत्रण केन्द्र 400केवी सब स्टेशन, सुखीसेवनिया, एमपीपीटीसीएल, भोपाल में भी व्यवस्था की गई थी। प्रशिक्षणार्थियों ने इस कार्यक्रम की बहुत सराहना की। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सी. एस. राजेश्वरी थीं एवं डॉ. अंजली पोतनीश ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

मल्टीसिम फॉर एनालॉग डिजिटल सर्किट डिज़ाइन पर कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 03–07 जून 2019 तक मल्टीसिम फॉर एनालॉग **"मल्टीसिम फॉर एनालॉग डिजिटल सर्किट डिज़ाइन"** विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजली पोतनीश थीं एवं प्रो. सुसन एस. मैथ्यू ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में 24 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया व कार्यक्रम की बहुत सराहना की।

इंडक्शन फेस-2 का आयोजन

संस्थान के इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा पूरनमल लाहोटी शासकीय पॉलीटेक्निक, लातुर में दिनांक 20–31 मई 2019 तक "इंडक्शन फेस–2" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. सी.एस. राजेश्वरी थीं डॉ पराग दुबे, प्रो. एम.सी. पालीवाल एवं डॉ प्रभाकर सिंह ने भी संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

सेवा निवृत्ति पर विदाई समारोह

संस्थान में कार्यरत वरिष्ठ कर्मचारी श्री रामभरोसे यादव, श्री शफीक अहमद, एवं श्री चंदन सिंह नेगी, बहुकुशल परिचारक, को उनकी अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर समारोह का आयोजन कर विदाई दी गई। संस्थान द्वारा उनको स्वस्थ एवं सफल जीवन हेतु शुभकामनाएँ।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित करते प्रो. सी. थंगराज

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा अप्रैल मई जून 2019 में संपन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

No.	Title of the Programme	Duration	Venue
1	मुक्स कोर्सवेयर डेवलेपमेंट	8–12 अप्रैल 2019	निटर, भोपाल
2	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–1	06 से 17 मई 2019	निटर, भोपाल
3	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–2	20 से 31 मई 2019	निटर, भोपाल
4	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–1	06 से 17 मई 2019	आर.सी. पुणे
5	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–2	20 से 31 मई 2019	जी.पी. लातूर, महाराष्ट्र
6	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–2	20 से 31 मई 2019	जी.आर.डब्ल्यू.पी., तसगांव, महाराष्ट्र
7	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–1	06 से 17 मई 2019	आर.सी. गोवा
8	रिसर्च पेपर एण्ड रिसर्च प्रोपोसल राईटिंग	27 से 31 मई 2019	आर.सी. गोवा
9	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–2	27 मई से 07 जून 2019	किरोड़ीमल जी.पी., राजगढ़
10	फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी)	13 मई से 07 जून 2019	निटर, भोपाल
11	एलआर डेवलेपमेंट इन मैकेनिकल मैन्युफैक्चरिंग एंड आटो मोबाईल	13 से 17 मई 2019	निटर, भोपाल
12	एलआर डेवलेपमेंट इन इलेक्ट्रीकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन	27 से 31 मई 2019	निटर, भोपाल
13	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–1	10–21 जुन 19	निटर, भोपाल
14	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–2	24 जुन–05 जुलाई 19	निटर, भोपाल
15	कोर जावा प्रोग्रामिंग	10–14 जुन 19	निटर, भोपाल
16	मल्टीज़िम फॉर एनोलॉग एण्ड डिजीटल सर्किट डिजाइन	03–07 जुन 19	निटर, भोपाल
17	पीएलसी एण्ड स्केडा	24–28 जुन 19	निटर, भोपाल
18	लेबोरेट्री मैनेजमेन्ट एण्ड अपकीप	10–14 जुन 19	निटर, भोपाल
19	इनोवेटिव टीचिंग टेक्निक्स इन साइंस एण्ड इंजीनियरिंग	17–21 जुन 19	निटर, भोपाल
20	आउटकम बेस्ड असेस्मेन्ट	24–28 जुन 19	निटर, भोपाल
21	एक्रीडिटेशन ऑफ इंजिनियरिंग प्रोग्राम्स	10–14 जुन 19	निटर, भोपाल
22	एक्रीडीटेशन ऑफ इंजीनियरिंग प्रोग्राम	17–21 जुन 19	निटर, भोपाल
23	इंजीनियरिंग रिसर्च	24–28 जुन 19	निटर, भोपाल
24	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–1	10–21 जुन 19	निटर, भोपाल
25	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–2	10–21 जुन 19	आर सी, अहमदाबाद
26	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–1	24–05 जुलाई 19	आर सी, अहमदाबाद
27	एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन	10–14 जुन 19	विद्या नगर, गुजरात
28	एक्रीडीटेशन ऑन ट्रीपल शयरिंग बेसिस	18–20 जुन 19	दमन, यू.टी.
29	इमोशनल इंटलीजेन्स इन टीचिंग	10–14 जुन 19	आर सी गोवा
30	एनबीए एक्रीडीटेशन	18–20 जुन 19	जी.पी. पणजी
31	इंडक्शन प्रोग्राम फेस–1	10–21 जुन 19	आर सी, पूणे
32	वार्क एथिक्स मोटिवेशन एण्ड एटिट्यूड डेवलेपमेंट	10–14 जुन 19	जी पी साकोली
33	सॉफ्ट स्किल्स फॉर प्रोफेशनल एक्सीलेन्स	17–21 जुन 19	डब्ल्यु सी ई सांगली
34	ट्रनिंग ऑफ ट्रनर्स (टीओटी) फॉर टीचर्स	03–07 जुन 19	शासकीय कॉलेज, ढलियारा, कांगड़ा
35	एल.आर. डेवलेपमेंट इन कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, आई.टी. एण्ड आई.टीज़ ईटीसी	17–21 जुन 19	निटर, भोपाल

एनआईटीटीटीआर भोपाल में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ

स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम

निटर भोपाल में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

विस्तार केन्द्र गोवा में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

संरक्षक : प्रो. सी. थंगराज, निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित, सह–संपादक : श्रीमती शोभा लेखवानी,
सहयोग : श्रीमती अनिता लाला, टंकण : श्री सुधीर त्रिपाठी, छायांकन : श्री रितेन्द्र पवार
आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, शामला हिल्स, भोपाल–462002 द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित